हिन्दी साप्ताहिक

भविष्य दर्पण

दर्पण की तरह निष्पक्ष खबरें

RNI.MPHIN /2020/79479

www.bhavishydarpannews.com

Email-bhavishydarpannews@gmail.com

वर्ष : 04 अंक: 30 (प्रति शुक्रवार को जारी) उज्जैन, शुक्रवार, दिनांक-29 दिसम्बर 2023 से 04 जनवरी 2024 तक कुल पृष्ठ: 8 कीमत : 2/- रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुना पहुंचे

डॉ. मोहन ने दिवंगत यात्रियों के परिजनों को दी सांत्वना : बस दुर्घटना के घायलों का जाना हाल

मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपये तथा गंभीर घायलों को 50-50 हजार रूपए आर्थिक सहायता दी जाएगी • लापरवाही के लिए गुना आरटीओ और नगर पालिका के सीएमओ निलंबित • घटना के कारणों की जांच के लिए अपर जिला दंडाधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित • गुना की घटना दुःखद और हृदयविदारक है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुना से आरोन जाते हुए बजरंगगढ़ के समीप हुई बस दुर्घटना में दिवंगत यात्रियों के परिजनों और घायल यात्रियों से जिला चिकित्सालय में मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा उनके परिजनों को यह वज्रपात सहन करने कि शक्ति देने की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायल यात्रियों के परिजनों से मुलाकात कर बस हादसे में झुलसे यात्रियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा समुचित उपचार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और घायल यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना की।

घायलों के उपचार में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शासन-प्रशासन घायलों के इलाज के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगा। उपचार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। डॉ. यादव ने जिला चिकित्सालय गुना के वार्ड में इलाज करा रहे घायलों के प्रत्येक बेड पर जाकर उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली तथा उन्हें शीघ्र स्वस्थ होने और इलाज के संबंध में आश्वासन प्रदान किया। इस दौरान क्षेत्रीय सांसद डॉ. के.पी. यादव, सांसद डॉ. रोडमल नागर, विधायक गुना श्री पन्नालाल शाक्य, श्री धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बस दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपये तथा गंभीर घायलों को 50-50 हजार रूपए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना की बस दुर्घटना मामले में लापरवाही के लिए गुना के जिला क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री रवि बरेलिया और नगर पालिका गुना के मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बी.डी. कतरोलिया को गुना हादसे के बाद फायर बिग्रेड सेवाएं उपलब्ध न कराए जाने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश भी दिए।

दुःख की इस घड़ी में हम मृतकों के परिजनों के साथ हैं और घायलों के लिए हमारी संवेदनाएं हैं - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गुना की घटना दुःखद और हृदयविदारक है। दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जो भी जवाबदार होगा, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। हमारा प्रयास होगा कि ऐसी घटना दोबारा न हो पाए। हम दुःख की इस घड़ी में सभी मृतकों के परिजनों के साथ हैं। घायलों के लिए हमारी संवेदना है।

तीन दिन में जांच प्रतिवेदन देगी समिति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर कलेक्टर गुना श्री तरूण राठी द्वारा बस दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए अपर जिला दण्डाधिकारी श्री मुकेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। गुना के अनुविभागीय अधिकारी श्री दिनेश सावले, संभागीय उप परिवहन आयुक्त श्री अरूण कुमार सिंह तथा सहायक यंत्री विद्युत सुरक्षा श्री प्राण सिंह राय जांच समिति के सदस्य होंगे। यह समिति तीन दिन में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।

महाकाल लोक घूमने न्यू ईयर पर लगेगी अलग लाइन

पचमढ़ी में टेंट सिटी; 31st की नाइट मांडू में गाला डिनर; हनुवंतिया में गणगौर नृत्य

उज्जैन/भोपाल। न्यू ईयर का काउंटडाउन शुरू हो गया है। 2024 का वेलकम करने के लिए मध्यप्रदेश के टूरिस्ट प्लेस में आपके लिए बहुत कुछ खास है। पचमढ़ी में पहली बार जंगल में नाइट स्टे के लिए टेंट सिटी बनाई गई है। हनुवंतिया में 31st की नाइट रॉक बैंड को बुलाया गया है। गणगौर नृत्य की परफॉर्मेंस भी होगी। मांडू में 31st की नाइट पहली बार गाला डिनर होने जा रहा है। ज-20 समिट के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ज-20 राष्ट्राध्यक्षों को गाला डिनर पर आमंत्रित किया था। गाला डिनर उसे कहते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में मेहमानों को पार्टी दी जाए। जबकि, गाला नाइट में डिनर के साथ डांस और एंटरटेनमेंट का भी इंतजाम होता है। उधर, धर्म नगरी उज्जैन में यह पहली बार होगा, जब

महाकाल लोक घूमने वालों के लिए अलग लाइन लगेगी। ऐसे भक्त, जिन्हें सिर्फ महाकाल लोक में जाना है, वे चार धाम मंदिर से अलग लाइन में लगकर पिनाकी गेट से महाकाल लोक में प्रवेश कर सकेंगे। इसी गेट से बाहर आ सकेंगे।

श्री महाकालेश्वर मंदिर- उज्जैन में इन दिनों भारी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं। 31 दिसंबर से यह संख्या बढ़ना तय है। 31 दिसंबर से 1 जनवरी तक महाकाल मंदिर में 12 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। ऐसे में 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक व्यवस्था बदल जाएगी। मंदिर प्रशासक संदीप सोनी ने बताया कि श्रद्धालुओं को चारधाम से प्रवेश मिलेगा। शक्तिपथ होते हुए महाकाल लोक में प्रवेश कर सकेंगे। फैसिलिटी सेंटर और फिर टनल होते हुए गणेश मंडपम से दर्शन कर निर्मल्य द्वारा से बाहर होंगे। गणेश मंदिर और फिर हरसिद्धि मंदिर से वापस चारधाम मंदिर पहुंचेंगे। उज्जैन कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए जूते स्टैंड, पानी, पार्किंग, शेल्टर की व्यवस्था की जाएगी। भजन मंडली के भी इंतजाम किए जाएंगे। साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। त्रिवेणी संग्रहालय और मंदिर परिसर में मेडिकल कैम्प की व्यवस्था कर रहे हैं। भक्तों को महाकाल मंदिर दर्शन के लिए करीब 1 किलोमीटर पैदल चलना पड़ेगा। बैरिकेड से महाकाल लोक होते हुए महाकाल मंदिर में एंट्री दी जाएगी। VIP बेगमबाग से प्रवेश कर यहीं बनी पार्किंग में गाड़ी पार्क कर सकेंगे।

मकर संक्रांति को लेकर पुलिस का अभियान

बेचने से लेकर उड़ाने वालों पर भी जानलेवा हमले का केस दर्ज होगा

उज्जैन। चायना मांझा बेचने व उससे पतंग उड़ाने वालों पर इस बार पहले से ज्यादा सख्ती की जा रही है। इसके लिए पुलिस ने सोशल मीडिया पर भी पोस्ट डालते हुए लोगों से कहा कि मांझे को लेकर सूचना दे, ताकि ठोस कार्रवाई की जा सके। एसपी सचिन शर्मा ने कहा कि लोगों की घरों की छतों पर भी पुलिस टीम आकस्मिक सर्चिंग करेगी व चायना मांझा से अगर कोई पतंग उड़ाते पाया गया तो संबंधित के अभिभावक पर कार्रवाई होगी। चायना मांझा बेचने पर धारा 188 तो उड़ाने से घायल होने पर जानलेवा हमले की धारा लगाई जाएगी। अब तक थानावार अलग-अलग एरिया में चायना मांझा को लेकर सर्चिंग करती आ रही पुलिस की तरफ से इस बार सोशल मीडिया के जरिए लोगों से ही ये जानकारी मांगी गई है कि चायना मांझा चोरी छिपे कहां से बिक रहा है। लोग गोपनीय रूप से सूचना दे सकेंगे। संबंधित स्थानों पर पुलिस की टीम आकस्मिक छापामारी करेगी। चायना मांझा जब्त होता है तो इस बार पहले से ज्यादा सख्त एक्शन लिया जाएगा। पिछले साल चायना मांझा बेचने वालों के मकान भी ध्वस्त किए थे। पुलिस ने इसके लिए टीम बना दी है व रोज एरिया वाइज सर्चिंग होगी। पुलिस ने ये भी तय किया है कि अगर चायना मांझा सख्ती के बावजूद भी अगर चोरी छिपे बेचा जाता है व उसके उड़ाने से ?अगर किसी का गला कटता है तो ऐसे में हत्या के प्रयास की

धारा 307 (जानलेवा) में केस दर्ज किया जाएगा। एडिशनल एसपी जयंत राठौर ने बताया कि अगर किसी के पास चायना मांझा है तो वह नष्ट कर दें, नहीं तो पकड़ाने पर सख्त कार्रवाई के लिए तैयार रहे। एएसपी ने कहा कि लोगों से भी ये आह्वान किया है कि वे अपने बच्चों को चायना छोड़ अन्य डोर से ही पतंग उड़ाने के लिए प्रेरित करे, अगर चायना मांझा को लेकर कोई जानकारी लगे तो तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 07342525253 पर सूचना दें। पुलिस को ये भी पता चला है कि कुछ पतंग व्यवसायी दुकान में मांझा नहीं रख रहे है। पूर्व की कार्रवाई व लगातार सर्चिंग को देखते हुए नया तरीका खोजा है व ग्राहक की डिमांड पर अपने सदस्य को इशारा करते हैं।

सम्पादकीय

असरकारी होंगी न्याय यात्रा और नागपुर रैली

स्थापना के 138 वर्ष पूरे करने के अवसर पर कांग्रेस द्वारा गुरुवार को नागपुर में आयोजित होने जा रही रैली और मणिपुर से 14 जनवरी, 2024 को प्रारम्भ हो रही राहुल गांधी की %भारत न्याय यात्रा% पार्टी को तो मजबूती प्रदान करेगी ही, देश के लोकतंत्र को भी अपने पांवों पर फिर से खड़ा करेगी। कांग्रेस आज एक विशाल सभा करने जा रही है, तो राहुल की 30 मार्च को मुंबई में पूरी होने वाली दूसरी यात्रा उनकी सितम्बर, 2022 से प्रारम्भ (जो 30 जनवरी को जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में समाप्त हुई थी) हुई भारत जोड़ो यात्रा का सीक्वल कही जा सकती है। दोनों का आयोजन ऐसे वक्त पर हो रहा है जब देश में लोकसभा चुनावों की पदचाप सुनाई देने लगे हैं। दो कार्यकाल पूरा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार केन्द्रीय सत्ता पर काबिज होने की जुगत में है, तो वहीं कांग्रेस अपने दम और अन्य 27 दलों के सहयोग से उसे रोकने का संकल्प किये बैठी है। इस लिहाज़ से ये दोनों आयोजन कांग्रेस के लिये बहुत महत्वपूर्ण तो हैं ही, उसकी मजबूती इंडिया गठबन्धन को भी ताकत प्रदान करेगी जो उसके नेतृत्व में ही बना है। सभी विपक्षी पार्टियां उसकी ओर आशा भरी निगाहों से देख रही हैं। कांग्रेस की छतरी तले ये दल कुछ ऐसा ही भरोसा करके आये हैं। अगर कांग्रेस शक्तिहीन होती है तो उसका संयुक्त प्रतिपक्ष का नेतृत्व करने का नैतिक बल जाता रहेगा। इसलिये उसे जहां एक ओर खुद को मजबूत करना होगा वहीं लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ सभी को साथ लेकर संगठित तौर पर उतरना होगा। कांग्रेस अपने अस्तित्व को बचाये रखने का लक्ष्य भी इन दो आयोजनों से साध रही है। पहले बात करें नागपुर की रैली की। इसी शहर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय है जिसकी विचारधारा का विरोध कांग्रेस प्रारम्भ से ही करती आई है। यहां रैली का आयोजन करना एक तरह से संघ को चुनौती देना तो है ही, यहीं दीक्षाभूमि भी है जहां 14 अक्टूबर, 1956 को बाबासाहेब अंबेडकर ने 5 लाख लोगों के साथ बौद्ध धर्म का अंगीकार किया था। अंबेडकर संविधान के निर्माता भी हैं। कांग्रेस की इस दौर की सबसे बड़ी लड़ाई संविधान को भाजपा द्वारा क्षत-विक्षत होने से बचाने की भी है। इस तरह से देखें तो नागपुर में रैली करने का प्रतीकात्मक महत्व तो है ही, यह रैली उसकी विचारधारा के पुनर्घोष करने जैसा है। अगर यहां उसकी रैली सफल होती है तो उसके बारे में यह विश्वास कायम रहेगा कि वह भाजपा को टक्कर देने का हौसला और शक्ति रखती है। जहां तक राहुल की यात्रा-2 का सवाल है, तो उसकी महत्ता कई मायनों में है। उनकी पहली यात्रा का मकसद जहां नफरत के बाजार में मोहब्बत की दूकान खोलना था, वहीं प्रस्तावित यात्रा के तीन उद्देश्य हैं। बुधवार की सुबह कांग्रेस के प्रचार प्रभारी जयराम रमेश ने पत्रकारों को बतलाया कि इसे इसलिये न्याय यात्रा का नाम दिया गया है क्योंकि इसके माध्यम से लोगों के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक न्याय की बात उठाई जायेगी। कुछ फासला पैदल चलते हुए और कुछ वाहनों के जरिये तय किया जायेगा। 14 राज्यों से होती हुई लगभग 6200 किलोमीटर की यह यात्रा तकरीबन 359 लोकसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। यात्रा मतदाताओं से संवाद भी साधेगी। इसका असर लोगों पर पड़ना लाज़िमी है। ऐसा विश्वास इसलिये व्यक्त किया जा सकता है क्योंकि पहली यात्रा के दौरान उसे लोगों ने स्वतःस्फूर्त प्रतिसाद दिया था और लाखों लोग राहुल के साथ चले थे। कांग्रेस को भी भरोसा है कि इस बार भी पहले जैसा मंज़र देखने को मिल सकता है। भाजपा की रीति-नीति के कारण जिस प्रकार से आमजनों के साथ यह सरकार आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक स्तरों पर अन्याय कर रही है, उसके चलते कांग्रेस द्वारा इसे न्याय यात्रा का नाम देना उपयुक्त ही प्रतीत होता है। देश में बढ़ती आर्थिक विषमता, महंगाई, बेरोजगारी, जनकल्याण पर घटता खर्च लोगों के साथ हो रहे अन्याय को इंगित करता है। आज अमीरों व सरकार समर्थकों के लिये अलग व्यवस्था है तो समाज में फैलती गैर बराबरी के चलते कमजोर, वंचित, शोषित, अल्पसंख्यकों आदि तबकों को न्याय से दूर कर दिया गया है। ऐसे ही, पिछले दिनों संसद में जो कुछ घटा है, वह बतलाता है कि सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को यह सरकार कतई बर्दाश्त नहीं करती। देश की जो सबसे बड़ी पंचायत है, उसने थोक के भाव में सांसदों को निलम्बित होते देखा है, जो देश के संसदीय इतिहास में कभी भी नहीं हुआ था। सच तो यह है कि देश में दो समाज बना दिये गये हैं- एक कानून को अपनी जूती की नोक के नीचे रखता है, तो दूसरा वह वर्ग है जिसे न्याय की पहुंच से दूर कर दिया गया है। यह यात्रा एक नागरिक के तौर पर भारतीयों को न्याय हासिल कराने का अभियान कही जा सकती है।

शुभम परमार

पहली यात्रा को गैर राजनैतिक कहा गया था, परन्तु यह दूसरी यात्रा अपने सियासी उद्देश्यों को दरकिनार करती हुई आगे नहीं बढ़ेगी। लोकसभा चुनाव-2024 उसकी आंखों के सामने है और पहली यात्रा में प्राप्त हुई अनेक उपलब्धियों को बरकरार रखने के लिये उसे दूसरी यात्रा को भी सफल बनाना होगा। दोनों यात्राओं के बीच चाहे साल भर का अंतराल आ गया हो परन्तु दोनों परस्पर पूरक हैं। 14 जनवरी, 2024 की यात्रा का संदर्भ पहली से जुड़ा है तो दूसरी के बिना पहली को अधूरी माना जायेगा।

कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया कुश्ती संघ के विवाद ने

छह माह से ज्यादा पहले पहलवानों के विरोध के बाद भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि अब उनका कुश्ती से कोई लेना-देना नहीं है। पिछले लगभग एक साल के भारतीय कुश्ती संघ के विवाद ने कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया। यह नुकसान दिख नहीं रहा किंतु इसकी भारपायी के लिए बड़ा प्रयास करना होगा। खेल मंत्रालय ने नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित कर इस खेल को बचाने के लिए बड़ा संदेश दिया है। खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से फेडरेशन का कामकाज चलाने के लिए एक तदर्थ समिति बनाने को कहा है। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ का संचालन राष्ट्रीय खेल विकास संहिता में दिए राष्ट्रीय खेल फडरेशन के कामकाज की तरह करना सुनिश्चित करने को कहा गया है। यह व्यवस्था अगले आदेश तक जारी रहेगी।भारतीय कुश्ती संघ के बीते गुरुवार को चुनाव कराए गए थे। इसमें संघ के पूर्व प्रमुख और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह अध्यक्ष चुने गए थे। चुने जाते ही संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह के अंडर-15 और अंडर-18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा की थी। यह क्षेत्र सांसद बृजभूषण शरण सिंह का गृह जनपद है। वर्तमान में सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे यहां से विधायक हैं। सरकार ने इस ट्रायल को ही रद्द कर दिया है। इस चुनाव का अंतरराष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने विरोध किया था। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों की इस लड़ाई में ये तीनों पहलवान प्रमुख रूप से शामिल थे। कुछ महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए थे। संजय सिंह के चुनाव के बाद ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की थी। वहीं बजरंग पूनिया ने अपना %पद्मश्री% लौटा दिया था। हरियाणा के पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह ने पद्म श्री लौटाने का ऐलान किया था। दरअसल इस चुनाव को रद्द करने का कारण सरकार का सांसद बृजभूषण शरण सिंह को झटका देना था। इनके बेटे और नजदीकियों ने अंडर-15 और अंडर-18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा के बाद क्षेत्र में बड़े हार्डिंग लगवाए थे कि दबदबा तो है, दबदबा रहेगा...ये भगवान की देन है। ये वहीं पोस्टर हैं जिनका प्रदर्शन सांसद के विधायक बेटे प्रतीक भूषण शरण सिंह ने भी खुलेआम किया था। चुनाव के रद्द होने के बाद गाड़ियों से भी %दबदबा% वाले स्टीकर और चौराहों पर लगे हार्डिंग भी हटा दिए गए। चुनाव के बाद नए अध्यक्ष की अंडर-15 और अंडर-18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा और ये पोस्टर सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उनके नजदीकियों के इरादे बताने के लिए काफी था। वरन स्टेडियम तो पूरे देश में बने हैं। कहीं और भी ट्रायल हो सकते थे। ये ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में ट्रायल कर विरोध करने वाले पहलवानों को अपना प्रभाव और दबदबा बताना चाहते थे। इससे बडी बात क्या होगी कि इन ट्रायल की तारीख तय करते समय एसोसिएशन के सचिव की सहमति भी नहीं ली गई। न उन्हें ट्रायल की तारीख तय होने की जानकारी है। जबकि एसोससिएशन के संविधान के अनुसार ये होना चाहिए था। एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान सचिव प्रेम चंद लोचब ने इस निर्णय पर आपत्ति जताते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को पत्र लिख कर बताया था कि सचिव की जानकारी के बिना ये निर्णय लिए गए हैं जबकि कुश्ती संघ का संविधान कहता है कि सचिव की अनुपस्थिति में न तो निर्णय लिए जा सकते हैं और न ही कोई और अधिकारी इन निर्णयों की जानकारी प्रसारित कर सकता है।

छह माह से ज्यादा पहले पहलवानों के विरोध के बाद भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि अब उनका कुश्ती से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि कुश्ती को लेकर क्या करना है, इसका फैसला नए चुए गए पदाधिकारियों को करना है। उन्होंने कहा कि उनके पास कई और भी काम हैं। उन्होंने कहा कि वो इस खेल की राजनीति से दूर रहेंगे। ये घोषणा उन्होंने भाजपा के अध्यक्ष जेपी नडडा से मिलने के बाद की। लगता है कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नडडा ने उन्हें समझा दिया कि टिकट बचाना है तो कुश्ती से दूर रहें। हालाकि उन्होंने कह दिया कि कुश्ती से उनका कोई लेना-देना नहीं है जबकि सच्चाई यह है पद से हटने के छह माह बाद भी कुश्ती संघ का कार्यालय उनके घर पर चल रहा है। कुश्ती संघ को निलंबित किए जाने के बाद आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अनुभवी पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा, %%यह सही निर्णय लिया गया है। जो हमारी बहन-बेटियों के साथ अत्याचार हो रहा है उसके खिलाफ संबंधित लोगों को पूरी तरह से हटाया जाना चाहिए। हमारे ऊपर कई इल्जाम लगाए गए। राजनीति की गई। जब हम पदक जीतते हैं तो देश के होते हैं। हम खिलाड़ी कभी भी जात-पात नहीं देखते। एक साथ एक थाली में खाते हैं। हम अपने तिरंगे के लिए खून-पसीना बहाते हैं। वहीं इस पर ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने कहा है कि यह उनका (बृजभूषण सिंह) राजनीतिक एजेंडा है, उस पर उन्हें कुछ नहीं कहना है। साक्षी ने कहा कि उनकी %लड़ाई सरकार से नहीं बल्कि एक व्यक्ति से है%। कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट ने एक निजी चैनल से बात करते हुए कहा, ÷ये अच्छी ख़बर है। हम चाहेंगे कि इस पद पर कोई महिला आनी चाहिए ताकि ये संदेश जाए कि महिलाएं आगे बढ़ें। जो भी हो कोई अच्छा आदमी आना चाहिए÷। पिछले एक साल से चले आ रहे कुश्ती संघ के विवाद ने कुश्ती का बहुत नुकसान पहुंचाया है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर महिला पहलवानों के आरोप लगने के बाद से ही सरकार को उन्हें हटा देना चाहिए था, किंतु ऐसा नही हुआ। इसका परिणाम यह है कि आज अभिभावक खेल में अपनी बेटी का भेजते कई बार सोचेंगे।वे पहले ही अपनी बेटी की सुरक्षा और सम्मान को लेकर चिंतित रहते हैं, इस प्रकरण ने उनकी चिंता और बढ़ायी है। अब वे बेटी को खेल विशेषकर कुश्ती में भेजते कई बार सोंचेंगे। सरकार ने नए चुनाव का भले ही रद्द कर दिया हो किंतु लंबे समय से कुश्ती संघ में दबदबा कायम रखें बृजभूषण सिंह और उनके नजदीकी चुप नहीं बैठने वाले नहीं हैं। वे सरकार के इस निर्णय के विरूद्ध कोर्ट जांएगे। इनका प्रयास होगा कि कुश्ती संघ उनके हाथ से न जा पाए। सरकार ने नए चुनाव को रद्द करके यह संदेश देने का प्रयास किया है कि निश्चित रूप से कुश्ती संघ को नियमों का पालन करना होगा और किसी तरह की कोई कोताही बरतने से परहेज़ रखना होगा। खेल संघ से राजनैतिक लोगों को दूर रखने के लिए सरकार को काम करना चाहिए। खिलाड़ी भी यदि राजनीति में आ जाए तो उसे भी खेल संघ से बाहर ही रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कार्ट भी खेल संघों में राजनैतिक दखल को लेकर चिंता जता चुका है। किंतु हुआ कुछ नहीं। खेल संघों में खिलाडी होने चाहिए। वे खेल और खिलाड़ी को ज्यादा समझते हैं। राजनेता नहीं। मंत्रालय को बेपटरी हुए कुश्ती संघ को पटरी पर लाने उसमें खिलाडियों और पहलवानों का विश्वास जमाने को बहुत कुछ करना होगा। संघ में खिलाड़ी लाने होंगे।

सुरंग में फंसा इंसाफ

उत्तरकाशी में सिलक्यारा सुरंग हादसे की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। जिसमें प्रारंभिक तौर पर कई खामियों और कमियों का जिक्र किया गया है। इन गड़बड़ियों के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा, और सजा का निर्धारण कैसे होगा, ये तो बाद के सवाल हैं। लेकिन अभी ये देखकर आश्चर्य हो रहा है कि इस सुरंग में काम फिर से शुरु हो गया है। 23 दिसंबर को प्रकाशित द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार इस बार सुरंग के दूसरे छोर यानी बड़कोट की ओर काम शुरू हुआ है। करीब 40 मजदूरों ने सुरंग पर काम शुरू कर दिया है और बीते 21 दिसंबर की सुबह ऑगर मशीन, स्लरी मशीन और बैकहोज समेत भारी उपकरण काम पर लगाए गए थे। इस खबर से एक बात फिर तय हो गई कि भारतीय समाज की स्मरण शक्ति बेहद कमजोर हो चुकी है। इसके साथ ही एक समाज के तौर पर हम इतने आत्मकेन्द्रित हो चुके हैं कि हमें न इंसानों की, न पशु-पक्षियों की, न प्रकृति की सुध लेने की फिक्र है। छत्तीसगढ़ में हसदेव अरण्य में मशीनों से जिंदा पेड़ों को काटकर जंगल की लाश बिछाई जा रही है, लेकिन चिंता की दो-चार आवाजों के अलावा हर जगह बेफिक्री दिखाई दे रही है। सदियों में तैयार हुए जंगल क्या फिर से कभी खड़े हो पाएंगे, ये सवाल समाज को परेशान नहीं कर रहा। इसी तरह उत्तराखंड हादसे के बाद भी अफसोस का कोई लक्षण दिखाई नहीं दिया, बल्कि चारधाम यात्रा के लिए ऑल वैदर रोड को विकास की नयी मिसाल के तौर पर पेश किया गया। 41 मजदूरों की जान 17 दिन तक अंधेरी सुरंग में फंसी रही, अब फिर उसी सुरंग पर काम शुरु हो गया है। गौरतलब है कि पिछले महीने नवंबर में दीपावली के दिन उत्तरकाशी के सिलक्यारा से बड़कोट के बीच बन रही सुरंग में 41 मजदूरों के फंसने की खबर सामने आई थी। पूरे 17 दिनों तक सुरंग में फंसे मजदूरों को बचाने की कोशिश होती रही। विदेशों से विशेषज्ञ बुलाए गए, मशीनें बुलाई गईं। सुरंग के भीतर जाने के कई तरीके आजमाए गए। सुरंग के द्वार पर मंदिर भी बना दिया गया। लेकिन हर कोशिश नाकाम होती दिखी। हालांकि इस बीच मजदूरों से संपर्क स्थापित हो पाया और उन्हें किसी तरह भोजन पहुंचाने की व्यवस्था भी की गई। बाहर की दुनिया से संपर्क और भोजन की बदौलत फंसे हुए मजदूरों का हौसला बना रहा। फोरमैन गब्बर सिंह नेगी ने 17 दिनों तक अपने साथी मजदूरों को जिस तरह हिम्मत बंधाई, उन्हें निराश नहीं होने दिया, वह एक मिसाल ही है। प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता के गुर किताबों के बाहर असल जीवन के ऐसे उदाहरणों से भी लिए जा सकते हैं। बहरहाल, फंसे हुए मजदूरों को निकालने में पूरी जद्दोजहद के बाद आखिरकार रैट माइनर्स की मदद से सुरंग के भीतर पहुंचने में सफलता मिली। 12 रैट माइनर्स ने जान जोखिम में डालकर हाथों से मलबे को बाहर निकालने का काम किया। जो काम महंगी मशीनों से नहीं हुआ, उसे इंसानी हाथों और हौसलों ने पूरा कर दिखाया। लेकिन इन रैट माइनर्स को 17 लोगों की जान बचाने के एवज में उत्तराखंड सरकार ने 50-50 हजार का इनामी चेक थमा दिया। जिसे रैट माइनर्स ने सरकार को यह कहते हुए वापस कर दिया है कि यह राशि उनके द्वारा उठाए गए जोखिम की भरपाई नहीं करती है।

मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक का कार्य अविलम्ब पूर्ण कराएं: निगम आयुक्त

उज्जैन । मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक शासन की अति महत्वपूर्ण जनहितेषी योजना है, इस के सफलता में निगम की महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत सम्बंधित अधिकारी इसे प्राथमिकता में रखें।

यह निर्देश निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह ने दिये हैं। नगर निगम की टीएल बैठक में आपने विशेष रूप से संजीवनी क्लिनिक निर्माण कार्यो की विशेष रूप से समीक्षा की। आपने कहा कि स्वीकृत संजीवनी क्लिनिक में जिनके कार्य प्रचलित हैं उन्हें अविलम्ब पूर्ण कराएं। जिनके क्षैत्रों में स्थान के संबंध में किसी प्रकार की विसंगति हो उन क्षैत्रों में निर्धारित रिक्त स्थानों का परीक्षण करें और उपयुक्त स्थान तलाश कर तत्काल प्रस्तावित करें।

निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह ने निग द्वारा प्रचलित विभिन्न निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। आपने निर्देशित किया कि प्रचलित निर्माण कार्यो से सम्बंद्ध यंत्रीगण कार्य स्थलों पर उपस्थित रह कर गुणवत्ता के साथ कार्यपूर्ण कराए जाना सुनिश्चित करें।

संकल्प यात्रा शिविर,आवेदनों का निराकरण

निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि संकल्प यात्रा शिविरों के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं के जो आवेदन प्राप्त हुए है उन पर तत्काल कार्यवाही करते हुए निराकरण सुनिश्चित करें। याद रखें कोई एक आवेदन भी निराकरण के बिना लम्बित ना रहें।

भवन अनुज्ञा और कम्पाउन्डिंग को प्राथमिकता दें

निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि भवन निर्माण हेतु प्राप्त आवेदनों को लम्बित ना रखें। मानचित्र प्राप्त होते ही प्रपत्र अवलोकन और स्थल निरीक्षण की कार्यवाही

तत्काल की जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्धारित समयावधि में निर्माण अनुमति जारी हो। साथ ही बिना अनुमति निर्माण प्रकरणों में कम्पाउन्डिंग संबंधि कार्यवाही को गति दी जाकर नियमानुसार कम्पाउन्डिग शुल्क वसुली सुनिश्चित करे। इस हेतु दिये गए लक्ष्य की प्राप्ति शत-प्रतिशत सुनिश्चित हो।

बैठक में अपर आयुक्त श्री आदित्य नागर, उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता, अधिक्षण यंत्री श्री आर.आर. जारोलिया सहित सहायक आयुक्तगण, कार्यपालन अधिकारीगण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर द्वारा राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार का स्वागत किया गया

उज्जैन । मंगलवार को मध्य प्रदेश शासन में राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार के उज्जैन आगमन पर महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा बाबा महाकाल का दुपट्टा भेंट कर स्वागत किया गया साथ ही बाबा महाकाल के दर्शन किए गए।

महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा बताया गया कि राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार पूर्व में अनुसूचित जाति मोर्चा में महामंत्री रहे हैं उस समय महापौर श्री मुकेश टटवाल भी अनुसूचित जाति मोर्चा में महामंत्री रह चुके हैं साथ ही राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल भी मध्य प्रदेश शासन में मंत्री बने हैं इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी एवं भारतीय जनता पार्टी का आभार व्यक्त किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत आयोजित हुए शिविर

उज्जैन । शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं से नागरिकों को लाभान्वित कराने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत शिविर आयोजित किए जा रहे है। इसी क्रम में मंगलवार को 32, 33 अन्तर्गत शासकीय नूतन स्कूल, चारधाम मंदिर के पास शिविर आयोजित हुआ। शिविर में निगम अध्यक्ष श्रीमति कलावती यादव, पार्षद श्रीमती लीला वर्मा सम्मिलित हुए एवं नागरिकों से संवाद करते हुए शासन की लोककल्याणकारी योजना से नागरिकों को अवगत करवाया गया एवं नागरिकों को विकसित भारत संकल्प की शपथ दिलवाई गई। विकसित भारत संकल्प यात्रा अन्तर्गत आयोजित शिविर में शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, संबल योजना, आयुष्मान भारत योजना के साथ ही अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी से नागरिको को अवगत कराया जा रहा है। शिविर में नागरिक पहुंचकर शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित हो रहे है। इसी के साथ ही स्वास्थ्य शिविर में नागरिकों का स्वास्थ्य परिक्षण किया जा रहा हैं।

अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में वीर बाल दिवस पर नवजात और बहु दिव्यांग माँ को मिला परिवार'

उज्जैन। 'अंकित ग्राम', सेवाधाम आश्रम, उज्जैन में राष्ट और धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए वीर बाल दिवस के अवसर पर सिखों के 10वें गुरू गोबिन्द सिंह जी के पुत्र साहिबजादा वीर बाबा जोरावर सिंह जी व साहिबजादा बाबा फतेह सिंहजी की शहादत को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए सत्य और नीति मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आश्रम की बहु दिव्यांग माँ और उसके नवजात शिशु को उसका परिवार मिला। सेवाधाम आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल ''भाईजी'' ने बताया कि वीर बाल दिवस पर इससे बढ़कर कोई खुशी नही हो सकती क्योंकि जिसकी उम्मीद नही होती प्रभु ना जाने कहा

से इस प्रकार दृष्टांत दिखाता है। 07 नवम्बर 2023 को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रतलाम की अनुशंसा पर जावरा की सड़को पर लावारिस घूमती हुई बहु दिव्यांग 7 माह की गर्भवती को प्रवेश दिया गया था, प्रवेश के समय यह उम्मीद नही थी कि वह बच्चे को जन्म दे पाएगी किन्तु आश्रम की सेवा-सुश्रुषा और देखभाल पश्चात 5 दिसम्बर 2023 को एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया, आज अचानक दोपहर में एक वृद्ध माता थाना चंद्रावतीगंज में गुमशुदगी की रिपोर्ट एवं फोटो लेकर मुख्य द्वार पर आई और कहने लगी कि मेरी बहू 4 महिने से लापता है, तब मैंने फोटो देखा और जानकारी प्राप्त कर वृद्ध माता को ढाढंस बंधाया और कहा कि अब चिंता मत कर, वृद्धा ने बताया कि इसकी एक बेटी भी है और 2 बच्चों की पूर्व में मृत्यु हो गई, हम उसे हर जगह ढूंढ रहे है, जब उसने अपनी बहू को देखा तो वह रोने लगी और आंखों से दोनों के आंसू बहने लगे और गले लगा लिया और बच्चे को गोद में उठाकर दुलार करने लगी। वृद्ध माता जो कि उसकी सास थी ने सुधीर भाई, श्रीमती कांता भाभी और आश्रम का बहुत-बहुत धन्यवाद दिया कि उन्होंने उनके पोते और बहू का सुरक्षित रख माता पिता का सम्पूर्ण दायित्व निभाया, इस प्रकार नवजात शिशु और बहु दिव्यांग महिला को उसका परिवार मिल गया।

मालव लोक कला केंद्र उज्जैन को मिला राजा मानसिंह तोमर सम्मान

उज्जैन। ग्वालियर में आयोजित राष्ट्रीय राजा मानसिंह तोमर सम्मान 2023 समारोह में माच गुरु श्री सिद्धेश्वर सेन की संस्था मालव लोक कला केंद्र उज्जैन का सम्मान किया गया। अनिकेत सेन के अनुसार मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित 99वें विश्व संगीत समागम तानसेन समारोह का आयोजन 22 दिसंबर से 28 दिसंबर तक हो रहा है। जिसमें राजा मानसिंह तोमर सम्मान वर्ष 2022 ग्वालियर में मालव लोक कला केंद्र उज्जैन को दिया गया। इस संस्था के संस्थापक मालव लोकनाट्य के माच गुरु राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त श्री सिद्धेश्वर सेन जी हैं। पुरस्कार प्राप्त करने श्री सिद्धेश्वर सेन की पुत्री श्रीमती कृष्णा वर्मा व पुत्र प्रेम कुमार सेन उपस्थित थे। इस सम्मान से मालवा व उज्जैन का नाम गौरवान्वित हुआ है।

मां को समर्पित रही पुष्पांजलि, काव्य संध्या

उज्जैन । मिहिर विचार क्रांति मंच के तत्वावधान में आयोजित पुष्पांजलि काव्य संध्या में पूर्व प्रधानमंत्री स्व श्री अटल बिहारी वाजपेयी को उपस्थित रचनाकारों ने अपनी कविताओं से काव्यांजलि अर्पित की। मालवी के सशक्त हस्ताक्षर कवि शिव राठौर जी पीपलरवां की धर्मपत्नी का अभी हाल ही में कुछ दिवस पूर्व स्वर्गवास हो गया था,उनकी स्मृति में उनकी बेटी सुनीता राठौर ने अपने निज निवास रतन एवन्यू कालोनी में पुष्पांजलि काव्य संध्या का आयोजन करवाया। उपरोक्त काव्य संध्या की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार सुगनचंद जैन ने की वहीं मुख्य अतिथि के पद को सुशोभित किया सेवा निवृत्त साहित्यकार सत्यनारायण नाटाणी सत्येन्द्र ने। राठौर दम्पति ने दीप प्रज्जवलित किया। कार्यक्रम के उपरांत संवाद शोध संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका संस्कृति संवाद का विमोचन किया गया। डॉ राजेश रावल सुशील ने सरस्वती वंदना के साथ मालवी गीत प्रस्तुत किया। पंकज जोशी देवास ने हास्यमय मां कविता पढ़ी, संगीता नाग उज्जैन ने छंद सुनाए , कमल पटेल चकरावदा ने अटल जी के व्यक्तित्व को समर्पित रचना पढ़ने के पश्चात हास्य का माहौल बनाया,अशोक पांचाल अंजान उज्जैन ने चांद व सूरज कविता से दाद बटोरी, प्रियम जैन खूब जमे नरेंद्र शर्मा चमन ने व्यथा अपनी अपनी कविता के माध्यम से रखी, अवधेश वर्मा ने अटल जी का संस्मरण कविता के माध्यम से सुनाया।

नसीब से दिव्यांग पर बच्चों की जिंदगी बदलने की कोशिश करता अमतलास स्पेशल स्कूल

दिव्यांगों को नया आयाम एवं जीवन-मुस्कान देना हमारा लक्ष्य, अमलतास वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित अमलतास स्पेशल स्कूल

देवास (भविष्य दर्पण न्यूज नेटवर्क)। किसी के सपनों को पूरा करना शायद दुनिया में सबसे बेहतरीन काम होता है। भले ही कुछ बच्चों के नसीब में दिव्यांगता लिखी हो लेकिन ऐसे बच्चों की जिंदगी में नए बदलाव की शुरुआत हम एक छोटी सी कोशिश के जरिए कर सकते है। देवास शहर से 11 किलोमीटर दूर अमलतास वेलफेयर सोसायटी की एक छोटी सी कोशिश ही आज एक सबसे बड़ी सामाजिक बदलाव की मिसाल बन गई है। सोसायटी द्वारा खासतौर पर दिव्यांग बच्चों के लिए अमलतास स्पेशल स्कूल की शुरुआत की गई है। जहां मंदबुद्धि एवं शारीरिक रूप से कमजोर मासूम बच्चों के जीवन को संवारने के लिए चिकित्सकों से लेकर कर्मचारी भी एक मददगार की तरह हर वक्त इनके साथ खड़े हुए। दिव्यांग बच्चों के लिए कुछ बेहतर करने का वादा ही नहीं बल्कि अमलतास वेलफेयर सोसायटी एक बेहतर सोच के साथ इनके लिए कार्य भी कर रहे है। इसमें बच्चों को स्पेशल स्कूल और अस्पताल में घर तक लाने ले जाने की सुविधा के साथ रहने के लिए होस्टल भी उपलब्ध करा रहा है।इन बच्चों के खाने से लेकर दिनचर्या की हर जरूरत को पूरा करने की व्यवस्था भी की गई है।अमलतास समूह के संस्थापक सुरेशसिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में

अमलतास अस्पताल में दिव्यांग बच्चों के लिए अमलतास स्पेशल स्कूल संचालित किया जा रहा है।

100 से अधिक दिव्यांग बच्चों की जिंदगी में बदलाव की मिसाल – देवास सहित आसपास के जिलों के दिव्यांग बच्चे भी लाभ ले रहे है इन बच्चों की चिकित्सा विशेष प्रकार से की जा रही है। डाउन सिंड्रोम , डेवलपमेंट डिले, आटिज्म जैसी बीमारी से ग्रसित बच्चों की विशेष चिकित्सा इस स्कूल में की जा रही है। स्कूल में कुछ बच्चे भी ऐसे है, जो उम्र के अनुसार विकसित नहीं हुए है।इसमें कुछ बच्चे बैठने और चलने तक में सक्षम नहीं हो ऐसे बच्चों की असामान्यता का यहां उपचार किया जा रहा है। 100 से अधिक बच्चे स्कूल में स्पेशल थेरेपी ले रहे है। इसमें 80 प्रतिशत बच्चों की जिंदगी में काफी बदलाव देखने को मिल रहे है। स्पेशल स्कूल से ठीक होने वाले बच्चों के अभिभावक की भी जिम्मेदारी है कि वह थैरेपी निरंतर चलाते रहे।

दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश भी –अमलतास अस्पताल के चेयरमैन मयंक राज सिंह भदौरिया ने बताया कि अमलतास वेलफेयर सोसायटी पिछले दो साल से विशेष बच्चों के लिए अमलतास स्पेशल स्कूल संचालित कर रही है। इसमें बीमारी को ठीक करने के साथ दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्पेशल ट्रेनिंग भी दी जा रही है। खासतौर पर भारतीय संस्कृति से इन्हें जोड़ने के लिए इनके साथ हर उत्सव को मनाया जा रहा है। इससे यह बच्चे भी सामान्य बच्चों की तरह अपनी जिंदगीं जी सकते है। हमारा अमलतास वेलफेयर सोसायटी का एक मात्र लक्ष्य है कि हम ऐसे बच्चों की जिंदगीं एक मददगार की भूमिका निभाए जो अपना सामान्य दिनचर्या के कार्य भी करने में सक्षम नहीं है। ऐसे बच्चों की जिंदगीं को सामान्य बनाकर हम केवल समाजसेवा ही नहीं करना चाहते है बल्कि हम समाज को एक संदेश भी देना चाहते है कि दुनिया में कुछ भी चीज नामुमकिन नहीं होती है।

इंदौर (ग्रामीण) ज़ोन आईजी ने किया थानों का औचक निरीक्षण

• देर रात पहुंचे थाना बड़वाह, जिला खरगोन और थाना सिमरोल, जिला इंदौर (ग्रामीण) मालखाना • रिकॉर्ड रूम और संधारित रजिस्टरों इत्यादि की जांच-परख की • आगामी त्यौहारों और नव वर्ष के दौरान लगाई जाने वाली पुलिस व्यवस्था की तैयारियों का लिया जायजा

इंदौर (भविष्य दर्पण न्यूज नेटवर्क)। पुलिस महानिदेशक महोदय श्री सुधीर कुमार सक्सेना जी के निर्देश पर इंदौर (ग्रामीण) ज़ोन आईजी श्री राकेश गुप्ता जी द्वारा ज़ोन के अंतर्गत थाना बड़वाह (जिला खरगोन) और थाना सिमरोल, जिला इंदौर (ग्रामीण) का देर रात औचक निरीक्षण किया गया । इस दौरान उन्होंने थाने पर उपस्थित स्टाफ, रात्रि गस्त अधिकारी से चर्चा की और थानों की गस्त प्रणाली, मोटर साइकिल पार्टी, बीट पार्टी और पॉइंट ड्यूटी के बारे में जानकारी ली तथा ड्यूटी रजिस्टर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान आईजी श्री गुप्ता द्वारा थाने के सी.सी.टी.एन.एस. रूम, मालखाना, रिकॉर्ड रूम, बंदी गृह एवं अन्य कक्षों का अवलोकन किया तथा व्यवस्थित रूप से मालखाना और रिकॉर्ड रूम संधारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

थानों पर संधारित विभिन्न रजिस्टरों का अवलोकन करते हुए उन्होंने अपराधों की स्थिति, प्रकरणों का निराकरण, लंबित अपराधों और शिकायतों के संबंध में जानकारी ली तथा उनके त्वरित निराकरण हेतु कहा ।आगामी त्यौहारों और नववर्ष के दौरान लगने वाली पुलिस सुरक्षा व्यवस्था और उसकी तैयारियों का आईजी द्वारा जायजा लिया।

गोमुत्र में ही गंगा जी का वास, गोमाता जिस पर कृपा करे उसको वैकुण्ड की प्राप्ती होती है

माघ मास की पूर्णिमा पर कामधेनु गो अभ्यारण्य में हुआ गो कथा का आयोजन, गोपूजन कर बताया गाय का महत्व

सुसनेर (दुर्गाशंकर टेलर) । गोमुत्र में ही गंगा जी का वास है, गाय माता की जिस पर कर्पा हो जाती है सारे देवता उस पर अपने आप कृपा कर देते है। गाय माता के स्वरूप को यदि सारे ही जान जाएंगे तो वेकुण्ड में भी भीड बड़ जाय। क्यों कि जिस पर गोमाता की कृपा हो जाती है वह उसे तो वेसे ही वैकुण्ठ की प्राप्ती हो जाती है। उक्त विचार मंगलवार को मंगलवार को माघ मास की पूर्णिमा के अवसर पर एशिया के प्रथम कामधेनु गो अभ्यारण्य सालरिया में आयोजित गो कथा के दोरान पथमेड़ा गोधाम महातीर्थ के राष्ट्रीय संयोजक परम् पूज्य श्री गोपालानन्द सरस्वती जी महाराज ने श्रृद्धालुओ को सम्बोधित करते हुएं व्यक्त किये। उन्होने गोपूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत करने के उपरांत गो महिमा का बखान किया। उन्होने कहां की गोमाता ने अपने वास्तविक रूप को छिपा रखा है। गाय माता की कृपा से ही सभी देवता सृष्टि का संचालन करते है। जिसने गो मैया की शरण ले ली समझो उसके मनुष्य जीवन का लक्ष्य पूरा हो गया। इस आयोजन में बड़ी सँख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धर्मलाभ अर्जन किया। गोकथा के यजमान जीरापुर का गोवर्धनलाल व रामप्रसाद बेरिस्टर का परिवार बना। यहां पर श्रद्धालुओं ने गायो के सन्तुलित आहार के लिये गुड़ का तुलादान भी किया। आपको बता दे कि पिछले 1 साल से पथमेड़ा गोधाम महातीर्थ के सन्त परम् पूज्य स्वामी श्री दत्तशरणानंद जी महाराज के सानिध्य में गो संरक्षण व गो संवर्धन के लिये 8 अप्रेल 2024 से 9 अप्रेल 2025 तक 1 वर्ष के लिए वेदलक्षणा गो श्रद्धा महा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत मंगलवार को गो अभ्यारण्य में गोकथा का आयोजन किया गया। इसके निमित्त अभ्यारण्य परिसर में गोकथा, सेवा, सत्संग जैसे धार्मिक कार्य आयोजित किये जा रहे है।

विकास और कानून व्यवस्था में प्रदेश बने मिसाल-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने संभागों के प्रभारी प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से की चर्चा

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संभाग स्तर पर जनता के कल्याण और योजनाओं के क्रियान्वयन को बेहतर बनाने राज्य स्तर से वरिष्ठ अधिकारियों को मॉनीटरिंग का दायित्व सौंपा गया है। प्रशासनिक कसावट के साथ लोगों को सरलता से सेवाएं प्राप्त होंगी और इससे विभिन्न कठिनाइयां दूर होंगी। सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने मुख्यालय के साथ ही फील्ड में भी पर्याप्त समय दें, आवश्यकतानुसार रात्रि विश्राम कर जनता की समस्याएं समझते हुए निराकरण की प्रभावी कार्रवाई करें। उज्जैन की विनोद मिल और इंदौर की हुकुमचंद मिल के श्रमिकों को देनदारी की राशि दी गई है। इसी तरह ग्वालियर की जेसी मिल के श्रमिकों को भी यह लाभ दिलाने के लिए रोडमैप बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को कहा कि ऐसा कार्य होना चाहिए जिससे प्रदेश की विकास और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में मिसाल दी जा सके। आगामी 20 - 25 वर्ष की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाएं और लागू करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आमजन से प्राप्त होने वाली शिकायतों का समय पर निराकरण हो, अधिकारियों-कर्मचारियों के रात्रि विश्राम के निर्धारित शेड्यूल का भी पालन हो। नगर से ग्राम तक नागरिकों को सरलता से सेवाएं दिलाने का कार्य होना चाहिए। जिलों में कलेक्टर और कमिश्नर के साथ वरिष्ठ अधिकारी मॉनीटरिंग करेंगे तो कार्य बेहतर होगा, यह वरिष्ठ अधिकारी सेतु की भूमिका निभाएंगे। समन्वय के साथ पारदर्शितापूर्वक शासन की योजनाओं को लागू करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी आकस्मिक दौरे भी करेंगे, तो जनता को अच्छी सेवाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय सभाकक्ष में एक बैठक में संभागों के प्रभारी सभी अपर मुख्य सचिवों और सभी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों से चर्चा में यह बातें कही। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में संभाग स्तर पर विकास कार्यों की समीक्षा के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को संभागवार दायित्व सौंपे हैं। इससे अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी प्रभावी अनुश्रवण और पर्यवेक्षण का कार्य सुनिश्चित कर सकेंगे। जिलों में राज्य स्तर के विषयों का विभिन्न विभागों के समन्वय से निराकरण हो सकेगा। इस व्यवस्था में अपर मुख्य सचिव द्वारा दो माह में कम से कम एक बार संभाग के जिलों का भ्रमण कर प्रतिमाह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की जाएगी। जिलों के लिए चिन्हित प्रमुख योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा के साथ ही मुख्यमंत्री की संभागीय बैठकों में भी अपर मुख्य सचिव उपस्थित रहेंगे। इसी तरह संभागों में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारियों को कानून व्यवस्था और पुलिस के कार्यों की समीक्षा का दायित्व सौंपा गया है।

धार्मिक प्रतिमाएं और अन्य कलात्मक सामग्री स्थानीय तौर पर निर्मित हो- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और आध्यात्मिक स्थानों पर मूर्तियों के विक्रय और भगवान जी के वस्त्रों के विक्रय का कार्य होता है, यह सामग्री अन्य प्रांतों से आती है। स्थानीय लोगों को रोजगार देने और स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के लिए कला शिविर लगाकर ऐसी सामग्री के निर्माण में दक्ष बनाया जाएं। लघु उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाएं। इससे स्थानीय लोगों की भी आय वृद्धि होगी और विविध वस्तुओं की उपलब्धता से धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा भी मिलेगा।

देश के प्रख्यात धर्म-स्थलों की व्यवस्थाओं का करें अध्ययन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तिरूपति बालाजी की तर्ज पर उज्जैन में भी ट्रैफिक व्यवस्था के लिए कदम उठाएं जाएं। श्रद्धालुओं को आने-जाने में असुविधा न हो। यात्रियों का समय जाया न हो और वे आसानी से कम समय में दर्शन कर अन्य स्थान के लिए रवाना हो सके, ऐसी व्यवस्था विकसित की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संक्रांति, सावन, माघ आदि के अवसर पर बुजुर्ग यात्री कुछ दिन विश्राम कर सकें, इसके लिए धर्म स्थलों के नजदीक आश्रम एवं अन्य आवासीय व्यवस्था की जाएं।

कृषि के साथ पशुपालन और अन्य गतिविधियों के लिए सहयोग करें- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में किसानों को कृषि कार्य के साथ ही पशुपालन के लिए भी आवश्यक सहयोग दिया जाएं। विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करते हुए उनकी आय वृद्धि के प्रयास हों। गुजरात जैसे राज्यों में ग्रामोद्योग के सफल प्रयोग हुए हैं, इन्हें मध्यप्रदेश में भी लागू किया जाए।

इंदौर में ही तेज ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर अंकुश के लिए 12 हजार कार्यवाहियां- बैठक में बताया गया कि गत सप्ताह राज्य शासन द्वारा निर्धारित मापदंड से तेज आवाज वाले ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर अंकुश के लिए निर्देश दिए गए थे, इसके परिपालन में अकेले इंदौर में 12 हजार कार्यवाहियां की गई हैं। इसी तरह आदतन अपराधियों के विरूद्ध सख्ती बरती जा रही है। करीब एक हजार प्रकरण चिन्हित किए गए हैं। इनसे संबंधित प्रक्रियात्मक कार्यवाही चल रही है। इंदौर और उज्जैन में होमगार्ड जवानों को पुलिस बैंड प्रशिक्षण की पहल हुई है। यातायात व्यवस्था में सुधार की पहल भी की गई है। युवाओं द्वारा नशीले पदार्थों के उपयोग के नुकसान बताने के लिए आवश्यक जागरूकता अभियान के लिए सामाजिक न्याय विभाग के समन्वय से प्रयास किए जाएंगे। रिक्त पदों की पूर्ति केलिए भी प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, पुलिस महानिदेशक श्री एस.के. सक्सेना, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आयुष विभाग द्वारा मानव संसाधन और अधोसंरचना विकास पर प्रभावी कार्यवाही

आयुष चिकित्सा पद्धति के विस्तार के लिये जिला अस्पताल में आयुष विंग का संचालन

भोपाल। प्रदेश में आयुष चिकित्सा पद्धति के विस्तार के लिये आयुष विभाग द्वारा मानव संसाधन और अधोसंरचना विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विभाग द्वारा रिक्त पदों की भर्ती पर तेजी से कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के शासकीय आयुष औषधालयों और चिकित्सालयों में राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से 763 आयुष चिकित्सा अधिकारी के रिक्त पदों की पूर्ति की कार्यवाही अंतिम चरण में है। इसके साथ ही प्रदेश में स्थित शासकीय आयुष महाविद्यालय शिक्षक संवर्ग व्याख्याता के 96 रिक्त पदों की पूर्ति राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जा रही है। आयुष महाविद्यालयों, चिकित्सालयों एवं औषधालयों में पेरामेडिकल संवर्ग तृतीय श्रेणी के 332 पदों की पूर्ति की जा चुकी है। शेष रिक्त पदों की पूर्ति कर्मचारी चयन मण्डल से चयनित प्रतीक्षा सूची से की जा रही है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत अधोसंरचना के कार्यों को भी प्रमुखता से पूरा किया जा रहा है। प्रदेश में 238 आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर बनाये जा रहे है। इसके साथ ही 50 बिस्तरीय चिकित्सालयों में 10 भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। विभाग द्वारा 22 आयुष विंग का संचालन शीघ्र शुरू किया जा रहा है। यह विंग प्रदेश के एलोपैथी चिकित्सालय में विकल्प के आधार पर भारतीय चिकित्सा पद्धति के अनुसार स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। राज्य में 102 आयुष औषधालयों के भवन निर्माण कार्य पूर्ण कराये जा चुके हैं। प्रदेश में 5 जिला आयुष कार्यालय के भवनों का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है।

इंजीनियर देश के विकास की रीढ़ हैं : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने किया तीन दिवसीय भारतीय इंजीनियरिंग कांग्रेस का शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने समाज में इंजीनियरों की भूमिका के बारे में बोलते हुए कहा कि इंजीनियरों के पास ज्ञान है, क्षमता है। वे समाज के हर वर्ग के लिए अपना योगदान देते हैं। इंजीनियर हमारे देश के विकास की रीढ़ हैं। मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ता राज्य है, जिसमें इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आज इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) लोकल सेंटर, जबलपुर में तीन दिवसीय 38वीं भारतीय इंजीनियरिंग कांग्रेस का उद्घाटन किया।

÷रिइमेजिनिंग टुमॉरो÷ ÷शेपिंग द फ्यूचर थ्रू डिसरप्टिव एंड इंटरडिसिप्लिनरी टेक्नोलॉजीस÷ थीम पर आयोजित भारतीय इंजीनियरिंग कांग्रेस में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में पहली बार इतना बड़ा आयोजन हो रहा है। इंजीनियरिंग कांग्रेस में प्रस्तुत रिसर्च पेपर्स का

अध्ययन कर इनके शासन के लाभ हेतु उपयोग की व्यवस्था की जायेगी।

सेमिनार में ÷आईईआई 38ह्लद्ध कांग्रेस÷ पुस्तक का विमोचन किया गया। इस दौरान इंजीनियरिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को प्रशस्ति पत्र व शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। उद्घाटन समारोह में भारत सरकार के पूर्व सचिव श्री यूपी सिंह, आईईआई के पदाधिकारी सहित इंजीनियर्स, विशेषज्ञ व उद्योगपति भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीर बाल दिवस के अवसर पर ई-पुस्तक का किया विमोचन

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीर बाल दिवस के अवसर पर पंजाबी साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिसर के माध्यम से तैयार की गई डिजिटल ई-किताब का ग्वालियर के गुरूद्वारा परिसर में लोकार्पण किया। इस मौके पर केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित पंजाबी साहित्य अकादमी की निदेशक श्रीमती नीरू सिंह ज्ञानी एवं जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। वीर साहेबजादों के

अद्वितीय इतिहास को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से पंजाबी साहित्य अकादमी संस्कृति परिषद मध्यप्रदेश द्वारा तैयार डिजिटल ई-पुस्तक एवं डिजिटल प्रदर्शनी को विभागीय वेबसाइट के माध्यम से सम्पूर्ण प्रदेश में प्रदर्शित करने के उद्देश्य से लोकार्पण किया गया है। पंजाबी साहित्य अकादमी की निदेशक श्री नीरू सिंह ज्ञानी ने इस अवसर पर बताया कि मध्यप्रदेश में ग्वालियर की पावन धरती पर गुरु हरगोबिंद साहिब जी का गुरुद्वारा दाता बंदी छोड़ स्थित है जो धर्म और देश की रक्षा के लिए अमृत काल में ऐतिहासिक स्थली है।

॥ श्री टेकचंदाय नमः ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ जय श्री महाकाल ॥

42वाँ वर्ष

श्री दामोदर वंशीय जूना गुजराती दर्जी समाज नवयुवक मण्डल, उज्जैन द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर

विशाल निःशुल्क सामूहिक विवाह

का भव्य आयोजन

दिनांक 14 फरवरी 2024, बुधवार (बसंत पंचमी)

सम्मानीय स्वजातीय बंधुओं,

बड़े हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि श्री दामोदर वंशीय जूना गुजराती दर्जी समाज नवयुवक मण्डल उज्जैन द्वारा बसंत पंचमी को सामूहिक विवाह हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रखा गया है। अतः स्वजातीय समाज बंधुओं से अनुरोध है कि अपने विवाह योग्य पुत्र/पुत्रियों का विवाह सम्मेलन में करें एवं खर्चीली शादी से बचे। समाजजन से अनुरोध है कि ज्यादा से ज्यादा जोड़ो का पंजीयन कराकर कार्यक्रम में पधारकर आयोजन को सफल बनावें।

शासकीय नियमानुसार विवाह योग्य बालक की उम्र 21 वर्ष, बालिका की उम्र 18 वर्ष होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ उम्र संबंधी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मार्कशीट, दो फोटो पासपोर्ट साईज, समग्र आईडी संलग्न करना अति आवश्यक है।

श्री रूपेश जी परमार
अध्यक्ष
मो. 9424511774

शिवराज परमार
सामूहिक विवाह प्रभारी
मो. 9753350002

श्याम राठौर मकोड़ी
सामूहिक विवाह सह प्रभारी
मो. 9926429612

सचिव
संतोष गोयल

कोषाध्यक्ष
जयेश परमार

प्रधान कार्यालय : निःशुल्क विवाह बुकिंग हेतु 48, ब्राह्मण गली, राधा–कृष्ण मंदिर, दर्जी धर्मशाला, उज्जैन मो. 9753350002, 9039828281

मार्ग दर्शक

चतुर्भुज जी परमार

नंदराम जी गोयल

रमेशचंद्र जी सोलंकी

लक्ष्मीनारायण जी सोलंकी

चुन्नीलाल जी परमार

मनोहरलाल जी परमार

जगदीश जी पटेल

राधेश्याम जी वाघेल

ओमप्रकाश जी परमार

महादेवलाल परमार

संरक्षक
अशोक चावड़ा, कनासिया

संरक्षक
अशोक मकोड़िया, तराना

संरक्षक
रामचन्द्र पटे, बलेड़ी

संरक्षक
ओमप्रकाश सेठी, इंगोरिया

संरक्षक
ओमप्रकाश परमार, नागदा

संरक्षक
भरत पटेल, चंदेसरा

संरक्षक
विनोद सिसौदिया, माकड़ोन

संरक्षक
राधेश्याम सेठी, इंगोरिया

संरक्षक
शांतिलाल परमार, कंजड़

संरक्षक
कैलाश सोलंकी, झुटावद

संरक्षक
कन्हैयालाल देवड़ा, ताल

संरक्षक
राजमल परमार, पानविहार

संरक्षक
ईश्वर परमार, खजुरी देवड़ा

संरक्षक
विजय पटेल, दर्जी कराड़िया

संरक्षक
रमेशचन्द्र सोनगरा, उन्हेल

संरक्षक
अशोक सोलंकी, आगर

पंजीयन के लिए सम्पर्क सूत्र

आर.के. टेलर नागझिरी मो. 9977583933
कपील परमार उज्जैन मो. 9244099004
राधेश्याम सेठी मो. 7974725558
कमलेश परमार मो. 9425162277
ओमप्रकाश सेठी मो. 9993904604
घनश्याम सोनगरा उन्हेल मो. 9827035400
महेश पंवार, उन्हेल मो. 9755121744
ओमप्रकाश परमार नागदा मो. 9340019993
गोपालकृष्ण मेहता, नागदा मो. 9111914300
अशोक सोलंकी आगर मो. 9479460400
कैलाश गेहलोत आगर मो. 8319008811
नागेश्वर गेहलोत आगर मो. 9827810720
महेश सोनगरा आगर मो. 9165595015

दुर्गाप्रसाद सोलंकी कानड़ मो. 9009272363
राधेश्याम परिहार कानड़ मो. 9752692632
ओम उमठ शाजापुर मो. 9826043862
सुनील सोलंकी शाजापुर मो. 9926074939
हुकमचन्द्र डाबी शाजापुर मो. 9826835857
महादेव चौहान शाजापुर मो. 9893434907
प्रशांत चौहान शाजापुर मो. 9300777020
गोपाल राठौर मोहन बड़ोदिया मो. 9893279245
मुकेश सोलंकी सारंगपुर मो. 9826960787
दीपक सोलंकी मो. 7909879044
ललित गोयल शुजालपुर मो. 9754321742
सूरज टेलर टोंक मो. 9993494943
कमल कृष्ण चौहान मो. 9977076296

किशोरीलाल सोलंकी देवास मो. 9981340272
दीपचन्द्र मेहता देवास मो. 9893299349
कृष्णवल्लभ डाबी इन्दौर मो. 9926677533
गिरधारीलाल परमार इन्दौर मो. 9926500168
अशोक गेहलोत इन्दौर मो. 9827503391
अशोक नायक इन्दौर मो. 9200250000
सतीश हेमावत जावरा मो. 9827223199
ईश्वर परमार, आलोट मो. 8120400811
राजेन्द्र चौहान रतलाम मो. 9827516745
दशरथ सोलंकी मंदसौर मो. 6264203182
श्याम सुन्दर मेहरु मंदसौर मो. 6261809803
पारस काचरिया मंदसौर मो. 9753374703
दिनेश परमार मंदसौर मो. 9977932674

शादी वालों जोड़ों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से लाभ दिलाने का प्रयास किया जायेगा।

नया हिट एंड रन कानून लोकसभा में पास, विरोध शुरू

ड्राइवर एवं संगठन का विरोध प्रदर्शन, ड्राइवरों ने गाड़ी छोड़ी, मालिक परेशान, ड्रायवरों ने कहा- ड्राइवरी छोड़ पर मजदूरी करेंगे व लोकसभा चुनाव का भी विरोध करेंगे

उज्जैन। हाल ही में लोकसभा में तीन कानून पास हुए हैं। इसमें एक कानून हिट एंड रन कानून में सजा में बदलाव किया गया, जिसमें कोई ड्राइवर एक्सीडेंट कर अगर मौके से भागता है तो ऐसी स्थिति में अब 10 साल तक की सजा या 10 लाख का जुर्माना होगा। नया हिट एंड रन कानून लोकसभा में पास हो गया है एवं जल्द ही लागू होने जा रहा है। इस कानून का विरोध देशभर के साथ उज्जैन में भी शुरू हो गया है। रणकेश्वर धाम स्थित लोडिंग मेटाडोर एसोशिएशन उज्जैन व ड्राइवरों ने इस कानून का पुरजोर विरोध किया है। ड्राइवर इस कानून के बाद सजा के डर व जुर्माने से आहत होकर गाड़ियों को मालिक के पास छोड़कर चले गए व ड्राइव करने से मना कर दिया है, जिससे गाड़ी मालिक काफी परेशान हैं। उज्जैन लोडिंग मेटाडोर एसोसिएशन के अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने बताया कि कोई भी ड्राइवर जानबूझकर किसी का एक्सीडेंट नहीं करता है किंतु अनजाने में एक्सीडेंट हो जाता है। सरकार द्वारा इस तरह का कानून बनाना पूर्णता गलत है क्योंकि एक्सीडेंट होने के बाद यदि ड्राइवर मौके से फरार नहीं होता है तो ऐसी स्थिति में भीड़ ड्राइवर के साथ कुछ भी अनहोनी कर सकती है। उसकी जवाबदेही किसकी होगी? सरकार को ड्राइवरों की सुरक्षा के लिए भी कानून बनाना चाहिए। एसोशिएशन के उपाध्यक्ष गोपाल राठौर व सचिव संजय रावत ने बताया कि इस कानून में संशोधन होना चाहिए, नहीं तो ड्राइवर ड्राइवरी नहीं करेंगे, जिससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा व आने वाले लोकसभा चुनाव में भी इसका असर पड़ेगा।

दृष्टि बाधित दिव्यांग का महाकुंभ हुआ संपन्न

दृष्टि बाधित दिव्यांग को धार्मिक मंदिर एवं महाकाल लोक का भ्रमण कराया

उज्जैन। मंगलनाथ रोड स्थित संत शिरोमणि रविदास गार्डन में समर्थ सेवा संस्था एवं सशक्त समर्थ सेवा शिक्षा प्रशिक्षण समिति द्वारा दृष्टि बाधित दिव्यांग का महाकुंभ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक आनंद पुरोहित एवम श्रीमती सरोज अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में आए देशभर से दृष्टि बाधित दिव्यांग के साथ उनकी आने वाली समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। कार्यक्रम में आया अतिथियों ने समस्या सुनकर मुख्यमंत्री को अवगत करने का आश्वासन दिया है। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगदीश पांचाल, श्रीमती सीता देवी लोहिया, श्रीमती विमला देवी जसोरिया, श्री श्याम जी महेश्वरी, विक्रम जी चंद्रवंशी उपस्थित थे।कार्यक्रम में पूरे देश भर के दृष्टि बाधित दिव्यांगों शामिल हुए। जिनका संस्था के द्वारा स्वागत कर उज्जैन के धार्मिक मंदिरों मे दर्शन कराए एवं महाकाल लोक का भ्रमण कराया गया। इस दौरान दृष्टि बाधित दिव्यांग को महाकाल की तस्वीर भेंट कर सम्मान भी किया गया। इस मौके पर जितेन्द्र मालवीय, ईश्वर कटारिया सरपंच, हीरालाल मालवीय, श्रीमती रीना सिंगर, इकबाल, योगेश राठौर, राजकुमारी सिंह, ममता कच्छावा, बिरला सेठ, संजू मकवाना, नरेंद्र मेहरा, सुनील माहेश्वरी, कमलेश गौतम, गज्जू पहलवान, मुकेश शुक्ला, राकेश राठौर, दिनेश सोलंकी, पीयूष वर्मा, हरीश चचेरिया, नरेश झंझोट आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार संस्था सचिव श्री विट्ठलजी नगर ने माना।

विजय श्री हनुमान की महाआरती एवम भंडारे का आयोजन हुआ

उज्जैन। हीरामील की चाल स्थित विजय श्री हनुमान मंदिर पर श्रीकांत सोनू टाटावत मित्र मंडली द्वारा तीन दिवसी कार्यक्रम का समापन हुआ। सोनू टाटावत ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत मे हनुमान जी की भव्य ध्वज यात्रा निकाली एवम सुंदरकांड का आयोजन किया। जिसके बाद विजय श्री हनुमान जी की महाआरती एवम भंडारे का आयोजन कर कार्यक्रम का संपन्न हुआ। महाआरती मे 31 बटुक व बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सम्मिलित होकर महाप्रशादी ग्रहण किया। हीरामील की चाल मे कहीं वर्षों पुराना विजय श्री हनुमान जी का प्राचीन मंदिर है। हर रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पर दर्शन करने के लिए आते हैं और सभी की मनोकामना पूरी होती है। इस मौके पर मनीष, परमार, रितेश केरोल, धर्मेंद्र यादव, बबलू फतरोड, लोकेश माली, राजू नागवंशी, विशाल चौहान आदि सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम में पधारे सभी का शंकर लाल टाटावत ने आभार माना।

माता, पिता, गुरु की असीम कृपा से सपना हुआ साकार रोहित राणावत बने नायब तहसीलदार

उज्जैन । देवास जिले के ग्राम नौसराबाद निवासी स्व.श्री हीरालाल-स्व.श्रीमती यशोदाबाई के सुपौत्र एवं वर्तमान में उज्जैन में जिला कोषालय में सहायक कोषालय अधिकारी श्री बहादुर सिंह राणावत के सुपुत्र श्री रोहित राणावत का एमपीपीएससी-2019 में नायब तहसीलदार के पद पर चयन हुआ है। श्री रोहित राणावत बताते हैं कि वे ट्रेवल्स का काम करते हुए एमपीपीएससी की तैयारी पूर्ण लगन के साथ करने के बाद यह सफलता मेरे माता, पिता, गुरु की असीम कृपा से सपना साकार हुआ है। साथ ही सफलता का बड़ा कारण समय का महत्व समझकर उसका सही उपयोग किया है। नायब तहसीलदार के पद पर चयन हुए श्री रोहित राणावत ने बताया कि मेरी प्रारम्भिक शिक्षा से हायर सेकेंडरी तक का अध्ययन उज्जैन के शासकीय उत्कृष्ट उमावि माधव नगर में करने के बाद उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान (बीए ऑनर्स) में और मास्टर डिग्री विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से की है। श्री राणावत बाते हैं कि उनका समय-समय पर परिवार के द्वारा उचित मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा।

आप पत्रकारों से उम्मीद करते हैं कि वो सच लिखें

अन्याय के खिलाफ लड़ें, सत्ता से सवाल पूछें, गुंडे अपराधियों का काला चिट्ठा खोल के रख दें और लोकतंत्र ज़िंदाबाद रहे

1. लेकिन पत्रकारों से कभी पूछिए उनकी सैलरी क्या है ?

2. कभी पूछिए पत्रकारों के घर का हाल क्या खर्च कैसे चलता है?

3. कभी पूछिए उनके खर्चे कैसे चलते हैं ?

4. कभी पूछिए उनके बच्चों के स्कूल की पढाई कैसे होती है?

5.कभी मिलिए उनके परिवार,बच्चों से और पूछिए उनके कितने शौक पूरे कर पाते है?

6.कभी पूछिए की अगर कोई खबर ज़रा सी भी इधर उधर लिख जाएं और कोई नेता, विभाग, सरकार या कोई रसूखदार व्यक्ति मांग लें स्पष्टीकरण तो कितने मीडिया हाउस अपने पत्रकारों का साथ दे पाते हैं?

7. कितने पत्रकारों के पास चार पहिया वाहन हैं ?

8. कितने पत्रकार दो पहिया वाहनों से चल रहे हैं ?

9. कितने पत्रकारों के पास बड़े बड़े घर हैं?

10. अपना और अपनों का इलाज़ कराने के लिए कितने पत्रकारों के पास जमा पूंजी है ?

11. प्रिंट मीडिया के पत्रकारों का रूटीन पूछिएगा कभी, दिन भर फील्ड और शाम को ऑफिस आकर खबर लिखते लिखते घर पहुंचते पहुंचते बजते हैं रात के 09, 10, 11... सोचिए कितना समय मिलता होगा उनके पास अपने बच्चों, परिवार, पत्नी,मां बाप के लिए समय?

12. आपको लगता होगा कि पत्रकारों के बहुत जलवे होते हैं ? ऐसा नहीं है।

13. कभी पूछिए की अगर पत्रकार को जान से मारने कि धमकी मिलती है तो प्रशासन उसे कितनी सुरक्षा दे पाता है?

14. कभी पूछिए की अगर कोई पत्रकार दुर्घटना का शिकार हो जाता है और नौकरी लायक नहीं बचता तो उसका मीडिया हाउस या वो लोग जो उससे सत्य खबरों की उम्मीद करते हैं वो कितने काम आते हैं।

15. और अगर किसी पत्रकार की हत्या हो जाती है तो कितना एक्टिव होता है शासन प्रशासन और कानून पुलिस?

16. दंगे हों,आग लग जाए, भूकंप आ जाएं, गोलीबारी हो रही हो, घटना दुर्घटना हो जाएं सब जगह उसे पहुंच कर न्यूज कवरेज करनी होती है।

17. कोविड जैसी महामारी में भी पत्रकार अपनी जान पर खेलकर न्यूज कवर कर रहे थे.. सोंचिएगा।

18.गिने चुने पत्रकारों की ही मौज है बाकी ज़्यादातर अभी भी संघर्ष में ही जी रहे हैं।

अगर किसी पत्रकार के पास अच्छा फोन, घड़ी,कपड़े, गाड़ी दिख जाए तो उसके लिए लोग कहने लगते हैं कि दलाली से बहुत पैसा कमा रहा है।

भाई क्यों नहीं है हक। उसे अच्छे कपडे, फोन घर गाड़ी इस्तेमाल करने का... सोचिएगा फिर चर्चा करेंगे।

ऐसे में जो पत्रकार बेहतरीन काम कर रहे हैं और जूझ रहे हैं एक एक खबर के लिए वो न सिर्फ बधाई के पात्र हैं बल्कि उन्हें हाथ जोड़ कर प्रणाम कीजिए!

नोट - एक बार विचार अवश्य करें आपसे निवेदन पत्रकारों का साथ दें तभी हम लोग लोक तंत्र को मजबूत बना सकते हैं।

विद्यार्थियों को विद्या अध्ययन व विनय से गुरूओं का सम्मान करते हुए निरन्तर अपने कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ते रहना चाहिए-विधायक श्री जैन

कालिदास ने अपने साहित्य की श्रेष्ठ रचनाएं तत्समय की थी -सांसद श्री फिरोजिया

राज्य स्तरीय शालेय कालिदास समारोह का भव्य शुभारंभ

उज्जैन। लोक शिक्षण संचालनालय मप्र भोपाल द्वारा आयोजित 22वे राज्य स्तरीय शालेय कालिदास समारोह का शुभारंभ पं. सूर्यनारायण व्यास संकूल हॉल, कालिदास अकादमी उज्जैन में उज्जैन उत्तर के विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता उज्जैन आलोट के सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने की। इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को संजोने का जो कार्य महाकवि कालिदास ने किया है वह सराहनीय है। विद्यार्थियों को विद्या अध्ययन व विनय से गुरूओं का सम्मान करते हुए निरन्तर अपने कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने कहा कि विद्यार्थियों को कालिदास के साहित्य का अध्ययन अवश्य ही करना चाहिए जिससे कि उन्हें यह पता चल सके किन परिस्थितियों में महाकवि कालिदास ने अपने साहित्य की श्रेष्ठ रचनाएं तत्समय की थी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि संस्कृत के साहित्य का अध्ययन करना इसलिए भी आवश्यक है कि हमारी प्राचीन एवं समृद्ध सांस्कृतिक व साहित्यक धरोहर को भलिभाँति जाना जा सके।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में श्री बहादुरसिंह बोरमुडण्ला एवं श्री विवेक जोशी, मध्यप्रदेश बाल संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती निशा श्रीवास्तव, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष के प्रतिनिधि श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी एवं श्री संजय अग्रवाल मंचासीन थे। सारस्वत अतिथि के रूप में कालिदास संस्कृत अकादमी के निदेशक डॉ. गोविन्द गन्धे उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं कालिदास के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। श्री महाकालेश्वर वैदिक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के बटुकों द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया। इसके पश्चात श्री गणेश स्तुति एवं शिव पंचाक्षर स्त्रोत की नृत्यमय प्रस्तुति कु. वैदही पण्ड्या द्वारा दी गई। अतिथियों का स्मृति चिन्ह, उत्तरीय एवं माला से स्वागत संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण संभाग उज्जैन सुश्री रमा नाहटे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री आनन्द शर्मा, सहायक संचालक श्री संजय त्रिवेदी, श्री महेन्द्र खत्री, एडीपीसी श्री गिरीश तिवारी, डॉ. आर.पी. गुप्त एवं योजना अधिकारी श्रीमती संगीता श्रीवास्तव आदि ने किया। स्वागत उद्बोधन एवं समारोह की रूपरेखा जिला शिक्षा अधिकारी श्री आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत की।

शहर एवं जिला कांग्रेस सेवादल उज्जैन द्वारा सेवादल एवं कांग्रेस का स्थापना दिवस मनाया गया

उज्जैन। कांग्रेस कमेटी कमेटी के 138 वे ,एवं कांग्रेस सेवा दल के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शहर कांग्रेस कमेटी एवं शहर एवं जिला ग्रामीण कांग्रेस सेवा दल उज्जैन द्वारा संयुक्त रूप से स्थानीय कांग्रेस कार्यालय क्षीरसागर पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवि भदोरिया द्वारा ध्वज वंदन कर स्थापना दिवस मनाया गया । इस अवसर पर सेवा दल के वरिष्ठ स्वयंसेवक छोटू भाई अमन, विजय चौहान, पोपसिंह एवं महिला स्वयं सेविका श्रीमती कमला द्रोणावत का साल एवं श्रीफल भेंट स्वागत किया गया, ध्वज वंदन के पश्चात कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की रीति नीति एवं आम जनता तक पहुंचाने की एवं इमानदारी से सेवा करने की प्रतिज्ञा प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के प्रशिक्षक राजेश लश्करी द्वारा दिलाई गई । एवं आभार सेवादल अध्यक्ष मनीष गोमे ने माना ।इस अवसर पर शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष मनीष गोमे, जिला (ग्रामीण) कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष डॉक्टर चैन सिंह चौधरी, पूर्व अध्यक्ष अनंत नारायण मीणा, पूर्व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश सोनी, पूर्व सांसद सत्यनारायण पवार पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटीमनोहर बैरागी दादा, रवि राय, श्रीमति माया त्रिवेदी, शहर महिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्षलीला परिहार, रफीक भाई जैदी, देवीलाल रजनीश जोशी राजेश मेहर, ब्लॉक अध्यक्ष सतीश मरमट्, पार्षद प्रतिनिधि मुजीब सुपारी वाला वीरेंद्र गौसर, अजय राठौड़, पुरुषोत्तम नागराज, मनोहर चावंड, बाबूलाल गोठवाल, हेमंत पवार,राकेश जाटवा, कमल मालवीय पूर्व पार्षद सुनील कचवाह, डॉक्टर अंतर सिंह चौधरी, ललित बम मुकेश भाटी, सोनिया ठाकुर, श्रवण शर्मा पुरुषोत्तम कहार, दीपेश जैन, संचित शर्मा, अनिल देवधरे, गजेंद्र मारोठियाआदि उपस्थित थे।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

श्री शनि स्टार फायनेंस

किसान क्रेडिट कार्ड (KCC)
1. पावती की कापी
2. खसरा बी – 1, बी–2
3. जमीन का नक्शा (चतुसीमा)
4. पंचायत का लिखा – स्थाई प्रमाण पत्र
5. 8 कलर फोटो, आधार कार्ड परिचय पत्र
7. राशन कार्ड/ बिजली का बिल

ग्रामीण क्षेत्र के लिए
1. हाऊस टेक्स रसीद
2. बिजली का बिल / टेलीफोन बिल/गैस की डायरी
3. पेनकार्ड/आधार/वोटर /लाईसेंस की कॉपी
4. 2 कलर फोटो(पति पत्नि)
5. बैंक पास बुक की फोटो कॉपी
6. दुध का बिल/ डायरी /दुकान का बिल

होम लोन
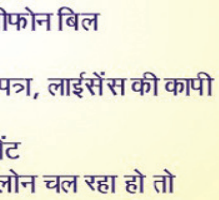
1. रजिस्ट्री
2. नक्शा
3. नामांतरण
4. हाऊस टेक्स रसीद
5. बिजली का बिल/ टेलीफोन बिल
6. पेन कार्ड
7. आधार कार्ड, परिचय पत्र, लाईसेंस की कापी
8. 2 कलर फोटो
9. एक वर्ष का बैंक स्टेटमेंट
10. पहले से अगर कोई लोन चल रहा हो तो उसका स्टेटमेंट

बिजनेस लोन
1. 3 साल के रिर्टन
2. गुमाश्ता
3. आधार कार्ड
4. राशन कार्ड
5. पहचान पत्र
6. बिजली का बिल
7. दो कलर फोटो
8. दो परिचित लोगो के नाम
9. बैंक स्टेटमेंट (एक वर्ष का)

पर्सनल लोन
1. 3 माह की वेतन पर्ची (नौकरी वालो)
2. पेन कार्ड की कॉपी
3. आधार कार्ड
4. बिजली बिल की कॉपी
5. फार्म नं. 16(1.5 लाख से ऊपर के लिये)
6. छ माह का बैंक स्टेटमेंट
7. परिचय पत्र / राशन कार्ड

शुभम परमार – मो. 9589177176

भविष्य दर्पण न्यूज पेपर
अखबार की एजेंसी देना है
जिला उज्जैन और तहसील में देवास, मक्सी, इंदौर ,शुजालपुर, कालापीपल, रिपोर्टर , बनने के लिए अनुभवी व्यक्ति संपर्क करे।
मो. नं. 95891-77176

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक शुभम द्वारा विधायक नगर, पंवासा मक्सी रोड, उज्जैन (म.प्र.) पिन-456010 से प्रकाशित तथा प्रियंका ऑफसेट 2/10 पिपलनाका चौराहा उज्जैन (म. प्र.) 456010 से मुद्रित ।
संपादकः- शुभम मोबाइलः- 95891-77176 (सभी वाद विवाद ओ का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)।